

**अप्रतिकार** पुं. (तत्.) उपाय या बदले का अभाव  
वि. (तत्.) जिसका उपाय या जिसकी तदबीर न हो सके, असाध्य, लाइलाज।

**अप्रतिकारी** वि. (तत्.) 1. बिना प्रतिघात का, जिसको कोई प्रतिघात न हो अर्थात् जो किसी आघात, धक्के, रुकावट या बाधा से बाधित न हो 2. बदला न लेने वाला विलो. प्रतिघात।

**अप्रतिज्ञात** वि. (तत्.) 1. जिसके विषय में किसी प्रकार की प्रतिज्ञा या आश्वासन न दिया हो। 2. जिसे स्वीकार नहीं किया गया हो।

**अप्रतिदेय** वि. (तत्.) 1. जिसे बदले में कुछ दिया न जा सके 2. जिसे लौटाया न जा सके, न लौटाने योग्य।

**अप्रतिद्वंद्व** वि. (तत्.) 1. जो बराबरी का न हो 2. जिसमें शत्रुता का अभाव हो।

**अप्रतिपक्ष** वि. (तत्.) 1. जिसका कोई प्रतिपक्ष, विरोधी या प्रतिस्पर्धी न हो, विरोधहीन 2. बेजोड़।

**अप्रतिपत्ति** स्त्री. (तत्.) 1. प्रतिपत्ति का अभाव: 2. ज्ञान या बुद्धि का अभाव 3. दृढ़ संकल्प का अभाव 4. प्राप्ति या उपलब्धि का अभाव।

**अप्रतिपन्न** वि. (तत्.) 1. जिसे पूरा या शुरू न किया गया हो 2. स्थापित 3. प्रमाणित 4. अज्ञात या अनिश्चित कोई बात या विषय।

**अप्रतिबंध** पुं. (तत्.) 1. प्रतिबंध या रुकावट न होने की स्थिति 2. स्वच्छंदता विलो. प्रतिबंध।

**अप्रतिबद्ध** वि. (तत्.) 1. जिस पर प्रतिबंध न हो, प्रतिबंध रहित, बाधा रहित 2. मनमाना।

**अप्रतिबल** वि. (तत्.) दे. अप्रतिद्वंद्व।

**अप्रतिभ** वि. (तत्.) 1. प्रतिभा-रहित, प्रतिभाशून्य 2. हतप्रभ 3. सुशील, विनम्र 4. स्फूर्ति रहित।

**अप्रतिभट** पुं. (तत्.) जो वीर योद्धा विरोधी पक्ष का न हो, जो शत्रुसेना का योद्धा नहीं हो।

**अप्रतिभा** स्त्री. (तत्.) 1. प्रतिभा हीनता, प्रतिभा का अभाव 2. दम्बूपन विलो. प्रतिभा।

**अप्रतिभूत** वि. (तत्.) (ऐसा ऋण) जो कर्जदार की कोई संपत्ति गिरवी रखे बिना उसे दिया गया हो, प्रतिभूति-रहित।

**अप्रतिम** वि. (तत्.) जिसकी (दूसरी) प्रतिमा, प्रतिबिंब या अनुकृति न हो, जिसके समान दूसरा न हो, अद्वितीय, बेजोड़।

**अप्रतिमान** वि. (तत्.) जिसका अन्य दृष्टांत न हो, अप्रतिम, अद्वितीय, बेजोड़ विलो. प्रतिमान।

**अप्रतिमानता** स्त्री. (तत्.) अतुलनीय होने की स्थिति/भाव अद्वितीयता।

**अप्रतिरथ** वि. (तत्.) जो वीरता में अनोखा या अनुपम हो पुं. अनुपम वीर।

**अप्रतिरूप** वि. (तत्.) 1. जिसका कोई प्रतिरूप न हो 2. अद्वितीय, अनुपम।

**अप्रतिरोध** वि. (तत्.) प्रतिरोधरहित, बेरोक-टोक। विलो. सप्रतिरोध पु. प्रतिरोध का अभाव।

**अप्रतिवर्तिता** स्त्री. (तत्.) मनो. प्रतिवर्ती क्रियाओं का दमन या लोप दे. प्रतिवर्तिता।

**अप्रतिवार्य** वि. (तत्.) 1. जिसका प्रतिवारण या निवारण न हो सके 2. अवश्यंभावी।

**अप्रतिवीर्य** वि. (तत्.) अतुलित शक्ति वाला, जिसके समान वीरता किसी अन्य में न हो।

**अप्रतिष्ठ** वि. (तत्.) 1. बदनामी करने वाला 2. प्रतिष्ठा या इज्जत गँवाने वाला 3. अपमानित 4. प्रतिष्ठित नहीं की गई (मूर्ति) पुं. भारतीय पुराणों के अनुसार एक नरक का नाम।

**अप्रतिष्ठा** स्त्री. (तत्.) 1. प्रतिष्ठा का अभाव, अनादर, अपमान 2. अपयश, दृढ़ता या स्थिरता का अभाव। विलो. प्रतिष्ठा।

**अप्रतिष्ठित** वि. (तत्.) 1. प्रतिष्ठाविहीन, तिरस्कृत, असम्मानित 2. जो स्थिर न हो प्रयो. तुम्हारी तरह गली-गली डोलना उन्हें एक अप्रतिष्ठित कार्य लगता है (मानस का हंस....) विलो. प्रतिष्ठित।